दास्तान अमीरहमज़ा

[अपूर्व कहानी]

संशोधित-संस्करण

हिंदी-अनुवादक—

खनऊ

भूतपूर्व संस्कृत-प्रोफ़ेसर

पं० कालीचरणजी शर्मा, एवं पं० महेशदत्तजी शर्मा.

सातवीं बार

सन् १९२५ ई०

लखनऊ

केसरीदास सेठ, सुपरिंटेंडेंट द्वारा

नवलकिशोर-प्रेस में मुद्रित और प्रकाशित